भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.1196

(जिसका उत्तर सोमवार दिनांक 08 दिसम्बर, 2025/17 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है)

देश में विदेशी कंपनियों की परियोजनाएं

1196. श्री टी. एम. सेल्वागणपतिः

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विदेशी कंपनियां देश में अपनी परियोजनाएं बंद कर रही हैं और नई परियोजनाओं की घोषणाओं में देरी कर रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विदेशी कंपनियों ने वर्तमान वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान देश में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परियोजनाओं को रोक दिया और यदि हां, तो क्या यह प्रभाव पिछले वर्ष की तिमाही की तुलना में 1200 प्रतिशत अधिक है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विदेशी कंपनियों द्वारा बंद की गई परियोजनाओं का मूल्य वर्ष 2013-14 से अधिक था; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (घ): प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आर्थिक विकास के लिए गैर-ऋण वित्तीय संसाधन का मुख्य स्रोत माना जाता है। पिछले एक दशक से अधिक समय से भारत में सकल एफडीआई प्रवाह लगातार बढ़ा है। सरकार ने एफडीआई अंतर्वाह को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न उपायों को लागू किया है। सरकार ने एक निवेशक-अनुकूल नीति लागू की है, जिसमें कार्यनीतिक रूप से कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्र स्वचालित माध्यम से 100% एफडीआई के लिए खुले हैं। 90% से अधिक एफडीआई अंतर्वाह स्वचालित माध्यम से प्राप्त होता है। भारत एफडीआई सीमा बढ़ाकर, विनियामक बाधाओं को दूर करके, अवसंरचना का विकास करके और व्यापार वातावरण में सुधार करके वैश्विक निवेशकों के लिए अपनी अर्थव्यवस्था को खोलना जारी रखता है। उदाहरण के लिए, केंद्रीय बजट 2025-26 में बीमा क्षेत्र के लिए एफडीआई क्षेत्रीय सीमा को 74% से बढ़ाकर 100% करने की भी घोषणा की गई।

भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) अंतर्वाह वित्त वर्ष 2013-14 के 36.05 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 80.62 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (50.36 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के दौरान दर्ज एफडीआई अंतर्वाह में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 16% (43.37 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की वृद्धि हुई है। यह किसी भी वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में अब तक का सबसे अधिक एफडीआई अंतर्वाह है।

****